षष्ठ्म विधान सभा के प्रथम बजट सत्र के समापन अवसर पर माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय के उद्बोधन हेतु महत्वपूर्ण बिंदु

बुधवार, 28 मार्च 2024

- छत्तीसगढ़ की **षष्ठ्म विधान सभा** के **प्रथम बजट सत्र** का आज अंतिम दिवस है। यह बजट सत्र **5 फरवरी, 2024** से **01 मार्च, 2024** के मध्य आहूत था, परन्तु आप माननीय सदस्यों की सहमति से सत्र अवधि में संशोधन करते हुए, इस बजट सत्र का आज समय से पूर्व समापन हो रहा है। मैं सत्र के सुव्यवस्थित संचालन के लिए सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी एवं नेता प्रतिपक्ष माननीय डॉ. चरणदास महंत जी, संसदीय कार्यमंत्री माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल जी, सभापति पालिका के सभी सदस्यगणों सहित आप सभी माननीय सदस्यों को ह्रदय से धन्यवाद देता हूँ।

- यह हम सबके लिए उपलब्धि और गर्व का विषय है कि इस बजट सत्र के पूर्व 20 एवं 21 जनवरी, 2024 को षष्टम विधान सभा के नव निर्वाचित माननीय सदस्यों के मार्गदर्शन हेतु प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित हुआ । इस प्रबोधन कार्यक्रम में देश के माननीय उप राष्ट्रपति **श्री जगदीप धनखड़ जी**, माननीय लोक सभा अध्यक्ष **श्री ओम बिरला जी,** उत्तर प्रदेश विधान सभा के माननीय अध्यक्ष **श्री सतीश महाना जी,** माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री **श्री मनसुख मण्डाविया जी** एवं माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री **श्री अमित शाह जी** का विधान सभा आगमन हुआ और आप सभी उनके मार्गदर्शन से लाभान्वित हुए। इस बजट सत्र में प्रबोधन कार्यक्रम से अर्जित ज्ञान का प्रभाव मैंने सदन में आपके संसदीय प्रदर्शन से अनुभव किया है ।

- यह बजट सत्र इस सरकार का प्रथम बजट सत्र था बावजूद इसके मुझे यह बतलाते हुए हर्ष हो रहा है कि आप माननीय सदस्यगणों की संसदीय जागरूकता से कभी भी ऐसा अनुभव नहीं हुआ की नव निर्वाचित माननीय सदस्य प्रथम बार सदन की कार्यवाही में सहभागी बन रहे हैं। जिस तैयारी और तत्परता के साथ पक्ष–प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यगणों ने सदन में संसदीय प्रक्रियाओं में अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया वह निश्चित तौर पर प्रशंसनीय है। दोनों ही पक्षों से जो पहली बार चुनकर सदस्य आए हैं, उन्होंने चर्चा के विभिन्न माध्यमों में अपनी सक्रिय सहभागिता से इस सदन की गरिमा को सवंर्धित किया है। विशेष रूप से श्रीमती चातुरी नंद, श्रीमती भावना बोहरा, श्रीमती शेषराज हरबंस, श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल, श्री अटल श्रीवास्तव, श्री सुशांत शुक्ला, श्री राघवेन्द्र सिंह, श्री नीलकंठ टेकाम जी सहित लगभग सभी सदस्यों ने जो सक्रिय संसदीय सहभागिता प्रदर्शित की जो षष्ठ्म विधानसभा के लिए शुभ संकेत है।

- मैं इस बात का उल्लेख करना आवश्यक समझता हूँ कि इस बजट सत्र की अवधि में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी ने 15 फरवरी 2024 को सदन में वक्तव्य देते हुए बस्तर क्षेत्र के लिए **नियद नेल्लार योजना** की घोषणा की जिसका अर्थ आपका अच्छा गांव होता है। यह नवाचार योजना बस्तर के सुदूर अंचलों में निवासरत वनवासीजनों के लिए एक वरदान साबित होगी।

- इस सदन में कुछ ऐसे सदस्य भी हैं जो पहली बार विधानसभा के लिए चुने गए हैं और मंत्री की भूमिका का दायित्व राज्य सरकार में निभा रहे हैं, उप मुख्यमंत्री माननीय श्री अरूण साव जी, उप मुख्यमंत्री माननीय श्री विजय शर्मा जी, वित्त मंत्री, माननीय श्री ओमप्रकाश चौधरी जी, महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री, माननीय श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़ जी, माननीय श्री टंकराम वर्मा जी ने अपने विभागों के प्रश्नोत्तर सहित सभी कार्यों में जिस प्रभावी ढ़ंग से प्रस्तुति दी, इससे ऐसा कभी नहीं लगा कि वे पहली बार मंत्री बने हैं।

- इस अवसर पर विशेष रूप से प्रतिपक्ष के सदस्य माननीय श्री कुंवर सिंह निषाद जी एवं माननीय श्रीमती संगीता सिन्हा जी की प्रशंसा करता हूँ कि आपने अपने प्रयासों से सदन में प्रतिपक्ष की भूमिका को जीवंत बनाए रखने में भरपूर योगदान दिया । मैं सराहना करता हूँ सत्ता पक्ष के विद्वान सदस्य माननीय श्री अजय चन्द्राकर जी एवं माननीय श्री राजेश मूणत जी का जिन्होंने अपने अनुभव और ज्ञान से सदन की कार्यवाही को प्रभावी बनाने में महती भूमिका निभाई है ।

- वरिष्ठ मंत्री माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल जी, माननीय श्री रामविचार नेताम जी, माननीय श्री केदार कश्यप जी ने अपने कार्यों से अपने दीर्घ संसदीय अनुभव का बोध कराया, वहीं दूसरी बार सदन के सदस्य चुनकर आए और पहली बार मंत्री बने माननीय श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी ने भी बहुत ही सराहनीय ढ़ंग से अपने कार्यों को संपादित किया। मैं सभी माननीय मंत्रीगणों को इसके लिए बधाई देता हूँ।

- मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि इस सत्र में अध्यक्षीय निर्देश पर माननीय वित्त मंत्री ने पूरे प्रदेश में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विषय पर गंभीरता से विचार कर कार्यवाही करने की, माननीय सदस्य श्री रिकेश सेन द्वारा प्रकरणों की जानकारी देने पर एक सप्ताह में परीक्षण कराने की एवं प्रधान मंत्री आवास हेतु निःशुल्क रेत प्रदान किए जाने की घोषणा की । इसी प्रकार माननीय स्कूल शिक्षा मंत्री ने छोटे स्कूलों में अहाता सहित व बड़े में बारवेट वायर एवं वृक्षारोपण के माध्यम से शाला भवन को सुरक्षित किए जाने पर सहमति दी ।

- मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि इस सत्र में प्रश्नकाल का आप सभी माननीय सदस्यों ने प्राप्त अवसर का भरपूर लाभ लिया। प्रश्नकाल वह हथियार है जिसमें सदस्य

सरकार की जवाबदेही को सुनिश्चित करता है। मैंने अपने संसदीय जीवन में किसी सत्र में प्रश्नकाल का इतना बेहतर उपयोग कम ही देखा है। मैं बताना चाहूंगा कि इस सत्र के प्रश्नकाल में जहां कुछ प्रश्नों के महत्व को देखते हुए प्रश्न एवं संदर्भ समिति को सौंपे गए, वहीं प्रश्नकाल में ही भिन्न प्रश्नों पर विभागीय जांच का आश्वासन भारसाधक मंत्री ने दिया साथ ही प्रश्नकाल में जहां शिक्षकों की पदोन्नति की घोषणा माननीय मंत्री जी ने की, वहीं प्रश्नकाल में कार्यपालिका के कुछ अधिकारियों को उनके कार्यकरण के लिए निलंबित भी किया गया। साथ ही इस विधानसभा के वर्ष 2000 से लेकर आज वर्ष 2024 तक यह प्रथम बार हुआ जब प्रश्नकर्ता के प्रश्न पर माननीय विभागीय मंत्री ने सदन के प्रश्नकर्ता सदस्य की अध्यक्षता में सोशल ऑडिट कराने की घोषणा की गई हो। श्री धरमलाल कौशिक जी के प्रश्न दिनांक 6 फरवरी, 2024 की प्रश्नोत्तर सूची में मुद्रित तारांकित प्रश्न संख्या–1 (क्रमांक –58) **''पी.डी.एस. के तहत् संचालित दुकानों की जांच''** विषयक पर सदन की समिति से जांच कराए जाने की सहमति शासन की ओर से दी गई। मैं समझता हूँ कि प्रश्नकाल का इससे बेहतर उपयोग का कोई दूसरा उदाहरण और कुछ नहीं हो सकता। मैं सभी प्रश्नकर्ता माननीय सदस्यगणों को और विभागीय मंत्रीगणों को इस बात के लिए धन्यवाद देता हूँ कि आपने प्रश्नकाल के माध्यम से विधायिका के कार्यपालिका पर नियंत्रण को मजबूती देने का कार्य किया है। निश्चित ही ऐसे ही प्रयासों से माननीय प्रधानमंत्री जी की अपेक्षा **मिनिमम गवर्नमेंट मैक्सिमम गवर्नेंस** की पूर्ति होती है।

- आप माननीय सदस्यगणों से मेरा यह आग्रह है कि सदन की गरिमा और मर्यादा दोनों आपके कार्यकरण पर ही निर्भर है। जितना आप इस सदन की गरिमा का ध्यान रखेंगे उतना ही आपका सम्मान बढ़ेगा। मैं नवोदित माननीय सदस्यगणों और वरिष्ठ माननीय सदस्यगणों दोनों से ही अनुरोध करता हूँ कि सदन की परम्परा और प्रक्रियाओं का पालन करने के लिए आप गम्भीर हों। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ कि पक्ष–प्रतिपक्ष दोनों ही तरफ के कुछ माननीय सदस्य सदन में चर्चा के दौरान जानकारियों के लिए प्रश्न पूछने के समय मोबाईल का उपयोग करते हैं, जो कि संसदीय सदन की परम्परा नहीं है। उन सभी से मेरा यह अनुरोध है कि भविष्य में अपने इस व्यवहार की पुनरावृत्ति न हो इसका प्रयास करें।

- आप माननीय सदस्यों से मेरा यह भी आग्रह है कि अपने संसदीय ज्ञान को विस्तार देने के लिए निरन्तर प्रयासरत रहें। विधान सभा के पुस्तकालय और संदर्भ शाखा का उपयोग करें। अपने वरिष्ठजनों से परामर्श लें क्योंकि किसी भी विषय पर आपका अध्ययन और जानकारी जितनी अधिक होगी आप उतने ही अच्छे ढ़ंग से अपनी बात को रख सकेंगे और आपके इस कार्य से निश्चित ही सदन में न केवल इससे चर्चा का स्तर बढ़ेगा, अपितु चर्चा परिणाम मूलक भी होगी। मुझे यह अवगत कराते हुए प्रसन्नता हो रही है कि इस बजट सत्र में 14 माननीय सदस्यगणों ने पुस्तकालय सुलभ संदर्भ का उपयोग किया । मेरी अपेक्षा है यह संख्या निरन्तर बढ़ती रहे।

- माननीय नेता प्रतिपक्ष सहित प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यगणों की मैं इस बात के लिए प्रशंसा करता हूँ कि आपने सकारात्मक विपक्ष की भूमिका का कुशलता से निर्वहन कर लोकतन्त्र में सजग सार्थक प्रतिपक्ष की भूमिका को अपने कार्य, विचार और व्यवहार से सिद्ध किया है।यह बजट सत्र कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा है। आप माननीय सदस्यगणों की संसदीय परिपक्वता और जनकल्याण के प्रति आपकी वचनबद्धता इस सत्र में स्पष्ट रूप से नजर आयी। मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि आप माननीय सदस्यगणों ने पक्ष–प्रतिपक्ष के भाव से ऊपर उठकर, जनकल्याण को सर्वोपरि समझा।

- इस सत्र में राज्य की समग्र उन्नति एवं जनहित से संबद्ध प्रत्येक विषयों पर व्यापक और विस्तृत चर्चा हुई, धान खरीदी, पर्यावरण, प्रदेश की कानून व्यवस्था, शिक्षा, आवागमन, महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य से जुड़े अनेक विषयों पर जो समग्र सारगर्भित चर्चाएं हुई हैं। इसे मैं इस सत्र की सबसे बड़ी उपलब्धि मानता हूँ।

- इस बजट सत्र में राज्य के विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के लगभग 1500 छात्र–छात्राओं ने विधानसभा की कार्यवाही का प्रत्यक्ष रूप से अवलोकन किया यह परम्परा आने वाले सत्रों में भी बनी रहे इसके लिए आप माननीय सदस्यगण प्रयास करेंगे।

- परम्परा अनुसार बजट सत्र में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर **14 फरवरी से 16 फरवरी 2024** को विधान सभा चिकित्सालय में किया गया । इसी क्रम में **26 फरवरी, 2024** को **एसएमसी हार्ट इंस्टीट्यूट एण्ड आईव्ही रिसर्च सेन्टर रायपुर** द्वारा कार्डियक केम्प, **27 फरवरी, 2024 को श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल एवं पॉजिटीव हेल्थ जोन रायपुर** द्वारा नेत्र/आयुर्वेद नाड़ी परीक्षण शिविर एवं आज दिनांक **28 फरवरी, 2024** को **श्री अनंत सांई हास्पिटल द्वारा कार्डियक केम्प** का आयोजन किया गया इस हेतु मैं स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ शासन, एसएमसी हॉस्पिटल, श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल एवं श्री अनंत सांई हास्पिटल, रायपुर को अपनी ओर से और सदन की ओर से धन्यवाद देता हूँ।

- माननीय सदस्यों को उनके संसदीय कार्यों में सहयोग के लिये विधान सभा द्वारा आप माननीय सदस्यगणों को लैपटॉप वितरीत किया गया है। आपसे आग्रह है इसका आप अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करेंगे।

- माननीय संसदीय कार्य एवं संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल जी को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने सभी माननीय सदस्यगणों को राजिम कुम्भ कल्प 2024 में सम्मिलित होने का आमंत्रित कर श्री राजीव लोचन भगवान के दर्शन का पुण्य लाभ लेने का हमें अवसर प्रदान किया।

- अब मैं आपको इस **बजट सत्र** में सम्पादित हुए संसदीय कार्यों के संक्षेप में सांख्यिकीय आंकड़ों से अवगत कराना चाहूँगा। इस सत्र के कुल 26 दिवसों में लगभग 101.13 घंटे चर्चा हुई। 16 बैठकों में 145 प्रश्न सभा में पूछे गए जिनके उत्तर शासन द्वारा दिए गए। इस सत्र में 1337 तारांकित प्रश्न एवं 1357 अतारांकित प्रश्नों की सूचना प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 2694 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुईं। इस सत्र में ध्यानाकर्षण की कुल 411 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें 214 सूचनाएं ग्राह्य हुईं और 34 सूचनाओं पर सदन में चर्चा हुई। इस सत्र में कुल 147 स्थगन की सूचनाएं प्राप्त हुई। शून्यकाल की 61 सूचनाएँ प्राप्त हुईं जिसमें 25 सूचनाएं ग्राह्य और 14 सूचनाएं अग्राह्य रही। वर्तमान सत्र में 266 याचिकायें माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई, जिनमें 139 ग्राह्य व 76 अग्राह्य रही। 10 अशासकीय संकल्प माननीय सदस्यों द्वारा दिये गये, जिनमें से 05 संकल्प ग्राह्य हुए तथा 04 संकल्प स्वीकृत हुए एवं 1 व्यपगत हुआ। इस सत्र में 5 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई और चर्चा उपरांत सभी पारित हुए।

- वित्तीय कार्यों के अन्तर्गत तृतीय अनुपूरक अनुमान पर 39 मिनट, वर्ष 2024–25 के बजट पर सामान्य चर्चा सहित विभागों की अनुदान मांगों पर 55 घंटे 21 मिनट चर्चा हुई तथा विनियोग विधेयक पर 5 घंटे चर्चा हुई।

- अन्त में **बजट सत्र** के समापन अवसर पर इस सत्र के सुचारू संचालन में सहयोग के लिये मैं सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष तथा समस्त माननीय सदस्यों के प्रति पुनश्च हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। आप सभी के समन्वित प्रयास से इस सदन का निर्बाध संचालन संभव हो पाया।

- मैं इस अवसर पर सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने सभा की कार्यवाही के संचालन में मुझे सहयोग दिया।

- मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों एवं प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया। **छत्तीसगढ़ दूरदर्शन, आकाशवाणी** एवं अन्य मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होने **माननीय राज्यपाल महोदय जी के अभिभाषण, माननीय वित्त मंत्री जी** द्वारा प्रस्तुत **बजट भाषण** का तथा प्रश्नकाल का जीवंत प्रसारण किया।

- सत्र की पूर्णता के अवसर पर राज्य शासन के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूँ सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूँ, जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था पूरे सत्र में कायम रखी।

- मैं **विधानसभा** के **सचिव, श्री दिनेश शर्मा** सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूँ जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया। सत्र समापन के अवसर पर आगामी सत्र की संभावित तिथि घोषित की जाती है। आगामी सत्र जुलाई माह के अंतिम सप्ताह में संभावित है।

- हम सब छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कृत संकल्पित हों, इन्हीं भावनाओं के साथ ।

धन्यवाद

जय हिन्द, जय छत्तीसगढ़